873
863

दैनिक जागरण
जागरण सिटी
पृ॰ IV
03-05-2014

सब्जियों की सुबह व शाम करें सिंचाई

मौसम शुष्क रहने व तापमान में बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए सभी सब्जियों में हल्की सिंचाई करने की सलाह पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सिंचाई सुबह व शाम के समय ही हो तथा इस बात का विशेष ध्यान रखें कि खेत में कटाई के बाद रखी गई गेहूं, चना व मटर की फसल आग से पूरी तरह बची रहे।

खेत की जुताई कर जमीन को खुला छोड़ दें

रबी की फसल यदि कट चुकी है तो खेत की गहरी जुताई कर जमीन को खुला छोड़ दें, ताकि सूर्य की तेज धूप के कारण इसमें छिपे कीड़ों के अंडे तथा घास के बीज नष्ट हो जाएं। खलिहान में तैयार अनाज का भंडारण करने से पूर्व भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें तथा अनाज को अच्छी तरह से सुखा लें। कूड़े कचड़े को जला या दबा कर नष्ट कर दें। भंडार घर की छत, दीवारों और फर्श पर एक भाग मेलाथियान 50 ईसी को सौ भाग पानी में मिलाकर बने घोल को छिड़क दें। यदि पुरानी बोरियां प्रयोग करनी पड़े तो उन्हें भी इसी प्रकार से तैयार घोल में 10 मिनट तक भिंगो कर छायादार जगह में सुखा लें।

खेत में पलेवा करने का यह सही समय है

फसल कटने के बाद ग्रीष्मकालीन हरी खाद के लिए खेत में पलेवा करने का यह सही समय है। हरी खाद के लिए मूंग, ढेंचा, सनई या लोबिया की बुवाई की जा सकती है। लेकिन इस बात का ध्यान जरूर रखें कि बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी रहे। ग्वार, मक्का, बाजरा, लोबिया आदि चारा फसलों की बुवाई करने का यह उपयुक्त समय है। बुवाई के समय खेत में नमी का ध्यान रखें तथा बीजों को तीन से चार सेंटीमीटर की गहराई पर डालें और पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 से 30 सेंटीमीटर के बीच बनाए रखें।

प्याज की फसल में हल्की सिंचाई करें

बैंगन तथा टमाटर की फसल को प्ररोह एवं फल छेदक कीट से बचाव के लिए कीट से प्रभावित फलों व प्ररोहों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड कीटनाशी 48 ईसी की एक मिली लीटर मात्रा को चार लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इस मौसम में प्याज की फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। अभी सूखे और अधिक तापमान में नमी की कमी होने पर गांठ की गुणवत्ता तथा गांठ का आकार पर प्रभाव हो सकता है।

बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का रखें ध्यान

इस मौसम में मूली की पूसा चेतकी या समर लौंग चेतकी नामक किस्मों की बुवाई की जा सकती है। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी हो इस बात का पूरा ख्याल रखें। इस मौसम में गुलाब की क्यारियों में एक सप्ताह के अंतराल पर सिंचाई तथा निराई, गुड़ाई करें तथा सूखी टहनियों को काट दें।

प्रतिलिपि :-
1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अध्यक्षता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)

सुनीता गुप्ता
3/5/14
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार
पत्र अनुभाग